

महिला और बाल विकास मंत्रालय ने भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 19 नवंबर, 2019 को फेसबुक के साथ सहयोग किया है। वैश्विक साक्षरता कार्यक्रम के तहत वर्गीकृत अभियान का नाम "वी थिंक डिजिटल" है।

महिलाएं और बच्चे भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। साथ ही, ये भारत के सबसे कमजोर वर्ग हैं।

अनुच्छेद 15 (3) में महिलाओं और बच्चों के कल्याण का उल्लेख किया गया है और कहा जा सकता है कि "इस लेख में कुछ भी नहीं है जो राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए कोई विशेष प्रावधान बनाने से रोकेगा।"

## भारत में प्रमुख महिला सशक्तीकरण योजनाओं की सूची भारत

में महत्वपूर्ण महिला सशक्तीकरण योजनाएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

महिला सशक्तीकरण योजना	लॉन्च वर्ष	उद्देश्य
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना	2015	<ul style="list-style-type: none"><li>• लिंग-पक्षपाती सेक्स चयनात्मक उन्मूलनरोकने के</li><li>• कोलिए बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा</li><li>• सुनिश्चित करना। बालिकाशिक्षा और भागीदारी</li></ul>
वन-स्टॉप सेंटर योजना	2015 की	<ul style="list-style-type: none"><li>• निजी और सार्वजनिक दोनों जगहों पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को सहायता और सहायता प्रदान करना।</li><li>• प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर / एनसीआर) दाखिल करने में सहायता / सहायता</li><li>• करने के लिए महिलाओं / मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहायता और परामर्श</li></ul>

बालिका को हेल्पलाइन स्कीम	2016	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रदान करना। हिंसा से प्रभावित महिलाओं को 24 घंटे की दूरसंचार सेवा प्रदान करना।</li> <li>• पुलिस / अस्पताल / एम्बुलेंस सेवाओं / जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (DLSA) / संरक्षण अधिकारी (PO) / OSC जैसी उपयुक्त एजेंसियों के लिए रेफरल के माध्यम से संकट और गैर-संकट हस्तक्षेप की सुविधा के लिए।</li> <li>• हिंसा से प्रभावित महिला को उपलब्ध उचित समर्थन सेवाओं, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए, स्थानीय क्षेत्र के भीतर उसकी विशेष स्थिति में जिसमें वह रहती है या कार्यरत है।</li> </ul>
UJJAWALA	2016	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वाणिज्यिक यौन शोषण के लिए महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने के लिए।</li> <li>• पीड़ितों को उनके शोषण के स्थान से बचाने और उन्हें सुरक्षित हिरासत में रखने के लिए।</li> <li>• पीड़ितों को आश्रय, भोजन, कपड़े, चिकित्सा उपचार, जिसमें परामर्श, कानूनी सहायता और मार्गदर्शन और व्यावसायिक प्रशिक्षण सहित बुनियादी सुविधाएं / आवश्यकताएं प्रदान करके तत्काल और दीर्घकालिक दोनों के साथ पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना।</li> </ul>
कामकाजी महिला छात्रावासकामकाजी महिलाओं	1972- 73	<ul style="list-style-type: none"> <li>• के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक रूप से स्थित आवास की उपलब्धता को बढ़ावा देना।</li> <li>• कामकाजी महिलाओं के बच्चों को 18 साल की उम्र तक, लड़कियों को 5 साल और लड़कों को 5 साल तक की उम्र तक रहने की सुविधा।</li> </ul>
SWADHAR Greh	2018	<ul style="list-style-type: none"> <li>• संकट में महिलाओं को आश्रय, भोजन, कपड़े, चिकित्सा उपचार और देखभाल की प्राथमिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए।</li> <li>• महिलाओं को कानूनी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करना।</li> </ul>

महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम का समर्थन (STEP)	1986-87	<ul style="list-style-type: none"> <li>● महिलाओं को रोजगार प्रदान करने वाले कौशल प्रदान करना।</li> <li>● देश में 16 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की महिलाओं को लाभान्वित करना।</li> </ul>
नारी शक्ति पुरस्कार	2016	<ul style="list-style-type: none"> <li>● समाज में महिलाओं के स्थान को मजबूत करने के लिए।</li> <li>● समाज में महिलाओं की प्रगति और विकास की दिशा में काम करने वाली संस्थाओं को सुविधा प्रदान करना।</li> </ul>
Mahila Shakti Kendras (MSK)	2017	<ul style="list-style-type: none"> <li>● महिलाओं के लिए एक ऐसा वातावरण तैयार करना, जहाँ उनकी स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्ता, शिक्षा, मार्गदर्शन, रोजगार आदि की पहुँच हो,</li> <li>● ताकि देश में ब्लॉक और जिला स्तर पर इन अवसरों की सुविधा हो सके।</li> </ul>
NIRBHAYA	2012	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विभिन्न स्तरों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा और सुरक्षा की सुविधा के लिए।</li> <li>● महिलाओं की पहचान और जानकारी की सख्त गोपनीयता और गोपनीयता सुनिश्चित करना।</li> <li>● जहां तक संभव है लिए वास्तविक समय के हस्तक्षेप का प्रावधान</li> </ul>
महिला ई-हाट	2016 के	<ul style="list-style-type: none"> <li>● महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों को ऑनलाइन करने के लिए।</li> <li>● ऑनलाइन बिक्री के विभिन्न पहलुओं पर महिलाओं को शिक्षित करना और उन्हें अपना उद्यम स्थापित करने में मदद करना।</li> </ul>

भारत सरकार ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और सशक्तिकरण को गंभीरता से लिया है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अन्याय को कम करना पड़ा और ये योजनाएँ भारत में महिलाओं से जुड़ी प्रमुख समस्याओं का समाधान हैं।